मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

25 मार्च, 2025

मुक्त विश्वविद्यालय में महाकुंभ पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन प्रारंभ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में 25–26 मार्च 2025 को महाकुंभ : सनातन मूल्य के माध्यम से मानव जीवन में परिवर्तन विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के कुलपति प्रोफेसर बिहारी लाल शर्मा जी रहे। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर शिशिर कुमार पांडेय जी, कुलपति, जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय, चित्रकूट तथा श्री राजेश प्रसाद जी, निदेशक, इलाहाबाद संग्रहालय, प्रयागराज, विश्वविद्यालय की वित्त अधिकारी श्रीमती पूनम मिश्रा एवं बीज वक्तव्य प्रोफेसर शिव कुमार द्विवेदी जी, पूर्व कुलपति, बाबासाहब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ रहे तथा अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी ने की।

अतिथियों का स्वागत डॉ त्रिविक्रम तिवारी, संचालन डॉ गौरव संकल्प एवं कार्यक्रम के बारे में तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ जी के द्विवेदी ने किया।

उल्लेखनीय है कि सम्मेलन में अब तक कुल 780 पंजीकरण हुए हैं। दो दिन चलने वाले इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 5 ऑफलाइन और 5 ऑनलाइन कुल 10 तकनीकी सत्रों का संचालन किया गया। इस अवसर पर 268 शोध पत्रों से सुसज्जित पत्रिका, अन्वेषिका तथा लीला पुरुषोत्तम श्री कृष्ण पुस्तक का विमोचन अतिथियों तथा कुलपति ने किया। इसके उपरांत आज सायं सरस्वती परिसर में भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागियों के मध्य डॉ रागिनी मिश्रा, मानस मंदाकिनी सरस्वती, मऊ और श्री मनोज गुप्ता, प्रयागराज ने अपनी संगीतमयी गायन की रसमयी प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथिगण

कार्यक्रम का संचालन करते हुए आयोजन सचिव डॉ0 गौरव संकल्प

सरस्वती वन्दना एवं विश्वविद्यालय कुलगीत प्रस्तुत करती हुई अन्तर्राष्ट्रीय कथा वाचिका डॉ0 रागिनी मिश्रा

माननीय अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

माननीय अतिथियों का स्वागत एवं परिचय देते हुए डॉ0 त्रिविकम तिवारी

कार्यक्रम के बारे में बताते हुए कार्यक्रम संयोजक डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी

ई–सिवोनियर का विमोचन करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यका मजी एवं अतिथिगण

बीज वक्तव्य देते हुए प्रोफेसर शिव कुमार द्विवेदी, पूर्व कुलपति, बाबासाहब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ ने कहा कि सनातन धर्म का उद्देश्य स्वर्ग की खोज करना है धर्म का मार्ग ही जीवन की सफलता का मार्ग है हिंदू धर्म वैज्ञानिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण रहा है।

सनातन धर्म के मूल में वेद है : प्रोफेसर शिव कुमार

बीज वक्तव्य देते हुए प्रोफेसर शिव कुमार द्विवेदी, पूर्व कुलपति, बाबासाहब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ ने कहा कि सनातन धर्म के मूल में वेद है। यह धर्म कई अन्य धर्म की उत्पत्ति का आधार रहा है। उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की की सनातन धर्म का भौतिकवादी सोच की तरफ झुकाव है संस्कृति और संस्कारों को लोग भूलते जा रहे हैं इस पर चिंतन मनन की आवश्यकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सनातन धर्म विज्ञान, नैतिकता और मानवता की आधारशिला है। सनातन धर्म का उद्देश्य ईश्वर की खोज करना है। धर्म का मार्ग ही जीवन की सफलता का मार्ग है। हिंदू धर्म वैज्ञानिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण रहा है।

सनातन मूल्य भारतीय संस्कृति और दर्शन का अभिन्न अंग है : राजेश प्रसाद

समारोह के विशिष्ट अतिथि श्री राजेश प्रसाद, निदेशक, इलाहाबाद संग्रहालय, प्रयागराज ने कहा कि सनातन मूल्य भारतीय संस्कृति और दर्शन का अभिन्न अंग है, जो जीवन को उत्कृष्टता, सद्भाव और आध्यात्मिक शांति की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करता है। आज के समय में जब समाज तेजी से भौतिकवाद की ओर बढ़ रहा है, सनातन मूल्य की प्रासंगिकता और अधिक बढ़ गई है।

माननीय अतिथियों का सम्मान

माननीय अतिथियों को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह एवं हरित फल भेंट कर उनका सम्मान करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी

माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह एवं हरित फल भेंट कर उनका सम्मान करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

वित्त अधिकारी
श्रीमती पूनम मिश्रा जी
को
अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह एवं हरित फल भेंट
कर
उनका सम्मान करते हुए विश्वविद्यालय
परिवार
के सदस्यगण

विश्वविद्यालय की प्रथम महिला
श्रीमती सीमा जी
को
अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह एवं हरित फल भेंट
कर
उनका सम्मान करते हुए विश्वविद्यालय
परिवार
के सदस्यगण

सृष्टि के आरंभ से है सनातन– प्रोफेसर शर्मा

मुख्य अतिथि सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के कुलपति प्रोफेसर बिहारी लाल शर्मा ने कहा कि सनातन सृष्टि के आरंभ से हैं और जब तक यह सृष्टि रहेगी तब तक सनातन रहेगा। मानवीय मूल्य सनातन में भरे हैं। सनातन वह धारा है जो सार्वकालिक है, सार्वजनिन है तथा सार्वत्रिक है। प्रोफेसर शर्मा ने मनु द्वारा प्रतिपादित धर्म के 10 लक्षणों के विस्तार से चर्चा की। जिन में प्रमुख रूप से उन्होंने धैर्य, क्षमा, दम, अस्तेय, शुचिता, इंद्रिय निग्रह, बुद्धि, विद्या, सत्य तथा अक्रोध की महत्ता पर बल दिया। इन 10 लक्षणों को मनुस्मृति में धर्म के मूल तत्वों के रूप में वर्णित किया गया है। उन्होंने इसका वर्णन करते हुए कहा कि जो बुद्धि से काम ले उसे बुद्धिमानी और जो मन की माने उसे मनमानी कहा गया है।

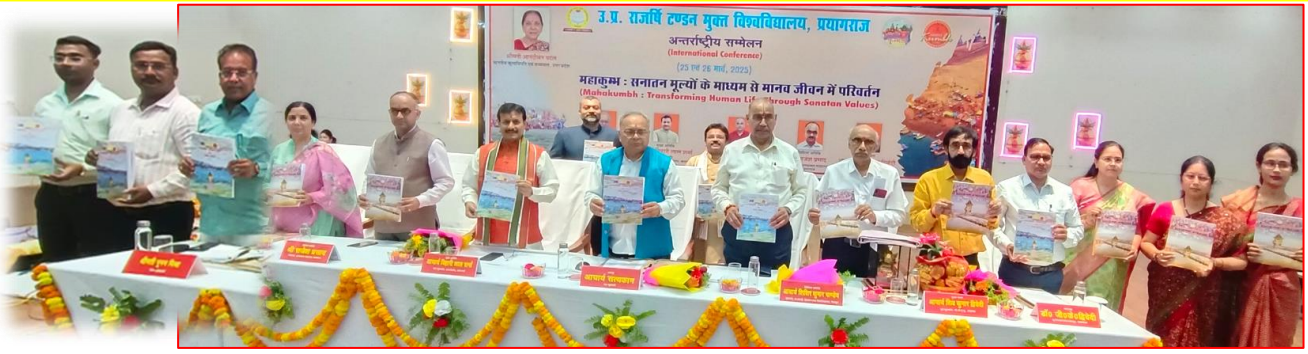

268 शोध पत्रों से सुसज्जित पत्रिका एवं लीला पुरुषोत्तम श्री कृष्ण पुस्तक का विमोचन करते हुए माननीय अतिथिगण

इन्दुभूषण पाडेय द्वारा संपादित पुस्तक अन्वेषिका का विमोचन करते हुए माननीय अतिथिगण

महाकुंभ से हमें शोध के कई आयाम मिले हैं : प्रोफेसर सत्यकाम

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि मानव मूल्य जिन्हें हम भारतीय ज्ञान परंपरा के रूप में जानते हैं उसे अपने विद्यार्थियों तक पहुंचाना चुनौती पूर्ण कार्य है। उन्होंने प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से अनुरोध किया कि इस विषय को स्नातक पाठ्यक्रम में अवश्य शामिल करें। एन ई पी 2020 में इसकी संकल्पना की गई थी कि भारतीय ज्ञान परंपरा से अवगत कराएंगे। जिसमें सनातन प्रमुख है। हम अपने पाठ्यक्रमों का निर्माण कर विद्यार्थियों को वहां तक पहुंचा सकते हैं। यह राष्ट्र सनातन राष्ट्र है। इस सनातन राष्ट्र की परिकल्पना सबके लिए मिलकर साथ चलने से होती है। आज सनातन को विदेश में भी सम्मान मिल रहा है। यह सभी धर्मों को एक साथ मिलाकर चल रहा है। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि महाकुंभ से जो शिक्षा ग्रहण की है उसमें प्रबंध अध्ययन पर शोध करने की आवश्यकता है। एक निश्चित भूभाग पर इस तरह करोड़ों लोगों की उपस्थिति अन्यत्र कहीं देखने को नहीं मिलती। महाकुंभ से हमें शोध के कई आयाम मिले हैं जिन पर कार्य करने की आवश्यकता है।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कार्यक्रम संयोजक डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी

राष्ट्रगान

माननीय अतिथियों के साथ ग्रुप फोटोग्राफी कराते हुए प्रतिभागीगण

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन 26 मार्च, 2025

मुक्त विश्वविद्यालय में महाकुंभ पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में महाकुंभ : सनातन मूल्य के माध्यम से मानव जीवन में परिवर्तन विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन बुधवार दिनांक 26 मार्च, 2025 को हो गया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफेसर कृष्ण बिहारी पांडेय, पूर्व अध्यक्ष, लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश तथा पूर्व कुलपति, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर रहे तथा अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी ने की।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की आख्या आयोजन सचिव डॉ गौरव संकल्प ने प्रस्तुत की। अतिथियों का स्वागत डॉ सुरेन्द्र कुमार ने, संचालन श्रीमती कौमुदी शुक्ला एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया। दो दिनों तक चल अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिभागियों ने अपने विचार साझा किए।

इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने आयोजन समिति के सभी सदस्यों एवं महाकुंभ के सफल आयोजन एवं सेक्टर 7 में विश्वविद्यालय के शिविर के सफल संचालन के लिए विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के नोडल अधिकारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया एवं डॉ0 प्रभात चन्द्र मिश्रा के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, निदेशकगण, शिक्षक, प्रतिभागीगण, कर्मचारीगण आदि उपस्थित रहे।

सभागार में उपस्थित प्रतिभागीगण एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मॉ सरस्वती जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए
माननीय अतिथि
एवं
विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

कार्यक्रम का संचालन करती हुई श्रीमती कौमुदी शुक्ला

माननीय अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

माननीय अतिथियों का स्वागत एवं परिचय देते हुए डॉ0 सुरेन्द्र कुमार

मंचासीन माननीय अतिथिगण

दो दिनों तक चल अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अपने विचार साझा करते हुए प्रतिभागीगण

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की आख्या प्रस्तुत करते हुए आयोजन सचिव डॉ गौरव संकल्प

माननीय अतिथियों को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह एवं हरित फल भेंट कर उनका सम्मान करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

आयोजन समिति के सदस्यों एवं महाकुंभ के सफल आयोजन एवं सेक्टर 7 में विश्वविद्यालय के शिविर के सफल संचालन के लिए विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के नोडल अधिकारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया एवं डॉ0 प्रभात चन्द्र मिश्रा के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी

विश्वविद्यालय की प्रथम महिला
श्रीमती सीमा जी
को
अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह
एवं
हरित फल
भेंट कर
उनका सम्मान करते हुए
विश्वविद्यालय परिवार
के सदस्यगण

मुक्त चिन्तन

सनातन मूल्य को जन–जन तक पहुंचाने की आवश्यकता– प्रो0 के0 बी0 पाण्डेय

समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफेसर कृष्ण बिहारी पांडेय, पूर्व अध्यक्ष, लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश तथा पूर्व कुलपति, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर ने कहा कि आज सनातन मूल्य को जन–जन तक पहुंचाने की आवश्यकता है। इसके लिए विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण योगदान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज कल हमारे जीवन मे नैतिक मूल्यों का हास होता जा रहा है। आज हमको हर घर तक सनातन मूल्यों को पहुंचाना है। जिससे नैतिक मूल्यों का विकास हो सके।

किसी देश को अपने मूल्यों को नहीं छोड़ना चाहिए : प्रोफेसर सत्यकाम

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि जीवन में नैतिक मूल्यों एवं सनातन मूल्य की उपयोगिता एवं उसकी सार्थकता को आज की नई पीढ़ी को जानना चाहिए। किसी देश को अपने मूल्यों को नहीं छोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा महाकुंभ पर प्रारंभ किए गए प्रमाण पत्र कार्यक्रम का अध्ययन युवा पीढ़ी को करना चाहिए।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कार्यक्रम संयोजक डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी

राष्ट्रगान